ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)-८४८१२५

बुलेटिन संख्या-३१
दिनांक- शुक्रवार, १५ मई, २०२०

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः ३३.६ एवं २२.५ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ८१ प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में ४५ प्रतिशत, हवा की औसत गति ७.० कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण २.५ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ८.४ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में २८.८ एवं दोपहर में ३४.४ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में वर्षा नहीं हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(१६-२० मई, २०२०)

- ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी १६ -२० मई तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-
- पूर्वानुमानित अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में हल्के बादल रह सकते हैं। हलॉकि, पूर्वी तथा पश्चिमी चम्पारण, मधुबनी, दरभंगा तथा सीतामढ़ी जिलों में १८-१६ मई को वर्षा की संभावना है बाकी उत्तर बिहार के अन्य जिलों में पूर्वानुमानित अवधि में आमतौर पर मौसम के शुष्क रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमानित अवधि में दिन के तापमान में वृद्वि हो सकती है तथा इसके ३७-३६ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है एवं न्यूनतम तापमान में भी वृद्वि हो सकती है। यह २५-२६ डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन १०-१२ कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से पूरवा हवा चलने का अनुमान है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में ५५ से ६५ प्रतिशत तथा दोपहर में ३० से ४० प्रतिशत रहने की संभावना है।

समसामयिक सुझाव

- पूर्वी तथा पश्चिमी चम्पारण, मधुबनी, दरभंगा तथा सीतामढ़ी जिलों में १६-२० मई को वर्षा की संभावना को देखते हुए अगले १-२ दिनो में जिन किसान भाईयों का अभी तक गेहूँ, मक्का तथा अरहर की कटाई एवं दौनी नही कर पायें हो वैसे किसान भाई अविलंब कटाई एवं दौनी का कार्य संपन्न करके दानों को सुखाकर सुरक्षित स्थानों पर भंडारित करें।
- गन्ना लगाने वाले किसानो के लिए सुझाव है कि अभी गन्ना फसल में कालिका रोग (Smut) के प्रकोप की सभांवना है। इस रोग से आक्रांत पौधों के फुनगी से च-बुकनुमा काला डंढल निकलता जो एक सफेद झिल्ली से ढका रहता है, जिसमे अनगिनत बीजाणु पाए जाते है। ऐसे रोगग्रस्त पौधों को पालीथीन बैग से ढककर सूड़ के साथ निकलकर नष्ट कर दे ताकि बीजाणु यत्र तंत्र न फैल सके। रोग ग्रस्त सूड़ को सावधानीपूर्वक निकालकर कार्बेन्डाजिम नामक फफूंदनाशी दवा का ०.१ प्रतिशत प्रति लीटर पानी से ड्रेंचिंग करे एवं प्रोपिकोनाजोल नामक दवा ०.१ प्रतिशत प्रति लीटर पानी से घोल बनाकर १५ दिनों के अंतराल पर तीन बार छिड़काव करे। रोग ग्रस्त खेतों में अगले तीन सालों तक गन्ने की रोपाई ना करें एवं गहरी जुताई कर फसल चक्र अपनायें।
- लम्बी अवधि वाले धान की किस्में जैसे-राजश्री, राजेन्द्र मंसुरी, राजेन्द्र स्वेता, किशोरी, स्वर्णा, स्वर्णा सब-१ वी०पी०टी०-५२०४ एवं सत्यम की नर्सरी २५ मई से लगा सकते हैं। र्नसरी के लिए खेत की तैयारी करें। स्वस्थ पौध के लिए र्नसरी में सड़ी हुई गोबर की खाद का व्यवहार करे। नर्सरी में क्यारी की चौराई १.२५-१.५ मीटर तथा लम्बाई सुविधानुसार रखें। एक हेक्टेयर क्षेत्रफल में रोपाई हेतु ८००- १००० बर्ग मीटर क्षेत्रफल की नर्सरी तैयार करें। बीज की व्यवस्था प्रमाणित स्त्रोत से करें। बीज गिराने के पूर्व बीजोपचार अवश्य कर लें।
- हल्दी की बुआई के लिए मौसम अनुकूल है। किसान भाई १५ मई से इसकी बुआई करें। हल्दी की राजेन्द्र सोनिया, राजेन्द्र सोनाली किस्में उत्तर बिहार के लिए अनुशंसित है। खेत की जुताई में २५ से ३० टन गोबर की सड़ी खाद, नेत्रजन ६० से ७५ किलोग्राम, स्फूर ५० से ६० किलोग्राम, पोटास १०० से १२० किलोग्राम एवं जिंक सल्फेट २० से २५ किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करे। हल्दी के लिए बीज दर २० से २५ क्विंटल प्रति हेक्टेयर रखें। बीज प्रकन्द का आकार ३०-३५ ग्राम जिसमें ४ से ५ स्वस्थ कलियाँ हो। रोपाई की दुरी ३०ग२० से०मी० तथा गहराई ५ से ६ से०मी० रखे। अच्छे उपज के लिए २.५ ग्राम इन्डोफिल ४५ + ०.१ प्रतिशत बेविस्टीन प्रति किलोग्राम बीज की दर से घोल बनाकर उसमें आधा घंटे तक उपचारित करने के बाद बुआई करे। बीज की व्यवस्था प्रमाणित स्त्रोत से करें।
- अदरक की बुआई १५ मई से करें। अदरक की मरान एवं नदिया किस्में उत्तर बिहार के लिए अनुशंसित है। खेत की जुताई में २५ से ३० टन गोबर की सड़ी खाद, नेत्रजन ३० से ४० किलोग्राम, स्फूर ५० किलोग्राम, पोटास ८० से १०० किलोग्राम जिंक सल्फेट २० से २५ किलोग्राम एवं बोरेक्स १० से १२ किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करे। अदरक के लिए बीज दर १८ से २० क्विंटल प्रति हेक्टेयर रखें। बीज प्रकन्द का आकार २०-३० ग्राम जिसमें ३ से ४ स्वस्थ कलियाँ हो। रोपाई की दुरी ३०ग२० से०मी० रखे। अच्छे उपज के लिए रीडोमिल दवा के ०.२ प्रतिशत घोल से उपचारित बीज की बुआई करें।
- खरीफ मक्का की बुआई के लिए खेत की तैयारी करें। खेत की जुताई में १० से १५ टन गोबर की सड़ी खाद प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करे। बुआई के समय प्रति हेक्टेयर ३० किलो नेत्रजन, ६० किलो स्फुर एवं ५० किलो पोटाश का व्यवहार करें। उत्तर विहार के लिए अनुशंसित मक्का की किस्में जैसे सुआन, देवकी, शक्तिमान-१, शक्तिमान-२, राजेन्द्र संकर मक्का-३, गंगा-११ है। खरीफ मक्का की बुआई २५ मई से करें।
- अपने पशुओं को कीड़े की दवा देने के १० दिनों बाद खुरपका-मुहपका रोग का टिका लगवायें। गर्मी के महीनों में पशुओं को ५० ग्राम नमक एवं ५० ग्राम खनीज मिश्रण दें। भूसा खरीदकर पुरे वर्ष के लिए रख लें।

आज का अधिकतम तापमानः ३३.२ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ३.५ डिग्री कम	आज का न्यूनतम तापमानः २२.२ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से १.६ डिग्री कम

(डॉ० गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी